प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

कृषि विज्ञान केन्द्रों की तकनीकें बनी हुई है किसानों का आकर्षण केन्द्र

विश्वविद्यालय में चल रहे अखिल भारतीय किसान मेला एवं उद्योग प्रदर्शनी में पंतनगर विश्वविद्यालय एवं अन्य सरकारी क्षेत्रों के स्टालों पर किसानों के लिए विभिन्न उत्पादन तकनीकों का प्रदर्शन किया गया है, जो सभी प्रकार के किसानों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक हैं। विश्वविद्यालय के उत्तराखण्ड में फैले कृषि विज्ञान केन्द्रों के स्टालों पर विभिन्न सब्जी एवं फलों की उत्पादन तकनीकें किसानों को बतायी जा रही हैं। कृषि विज्ञान केन्द्र, काशीपुर के स्टाल पर महिलाओं को सशक्त करने की विधाओं की जानकारियां एवं उनके द्वारा बनाये गये उत्पाद महिलाओं को अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं। राजमा के पांच जर्मप्लाजम के साथ काला भट्ट, लाल गहत, सफेद राजमा, भांग, और सोयाबीन के बीज, मशरूम के स्पॉन, सूखे मशरूम तथा स्कूलों में मिड-डे-मील के दौरान मशरूम के खाद्य पदार्थों की जानकारी एवं प्रदर्शनी पिथौरागढ़ जिले के गैना अंचोली में स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र के स्टाल पर दी जा रही है। कृषि विज्ञान केन्द्र धनौरी (हरिद्वार) पर गन्ने की को.पंत-03220, 5224, 5011, 0238 के साथ सोयाबीन की बीएल-63, उर्द की विराट, टी-9 पंत उर्द-31, 40, 10, पंत अरहर-291, यूपीएएस-120, के साथ धान के उत्पादन की तकनीक किसानों को बतायी जा रही हैं। ढकरानी, देहरादून के कृषि विज्ञान केन्द्र के स्टाल पर प्राकृतिक हर्बल रंग, की प्रदर्शनी लगी हुई है। ग्वालदम, चमोली के कृषि विज्ञान केन्द्र के स्टाल पर रामदाना, राजमा, राजमा लाल, काला भट्ट, गहत की वीएल-1, सोयाबीन की बीएल सोया-४७, सफेद लोबिया, लाल धान (लोकल) के बीजों और स्ट्राबेरी के पौधों की प्रदर्शनी किसानों को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। स्ट्राबेरी की चांडलर किस्म, लौकी की किस्म अर्का बहार के पौधे और कुक्कुट की भारतीय नस्लों की छाया चित्र के द्वारा जानकारी चम्पावत के के.वी.के. के स्टाल पर दी जा रही है। के.वी.के. ज्योलिकोट, नैनीताल के स्टाल पर चाटन भेली, अदरक की रियो डी जेनेरियो, हल्दी की स्वर्णा एवं पंत पीताभ किस्मों के साथ अचार व मोटे आनाज के आटे का प्रदर्शन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के स्टालों पर भी वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों द्वारा किसानों को खेती के साथ किये जाने वाले सह-व्यवसाय एवं आय दोगुनी करने हेतु नयी-नयी जानकारियां दी जा रही हैं। विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, अल्मोड़ा, के स्टाल पर पर्वतीय क्षेत्रों में खेती को सुलभ बनाने हेतु उपकरण और पर्वतीय फसलों, मक्का, मडुवा, राजमा, आदि, के बीजों का प्रदर्शन किसानों के आकर्षण का केन्द्र है। शहतूती रेशम, अरण्डी रेशम, मूंगा रेशम, एरी रेशम, ओक और ट्रापिकल टसर रेशम बनाने की जानकारी रेशम विकास विभाग के स्टाल पर दी जा रही है। रक्षा जैव ऊर्जा अनुसंधान संस्थान, हल्द्वानी, के स्टाल पर बायो-डीजल एवं मृदा रहित चारा एवं सब्जी उत्पादन की तकनीक किसानों को अपनी तरफ आकर्षित कर रही हैं। वी.सी.एस.जी. उत्तराखण्ड औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, भरसार, के प्रसार निदेशालय के स्टाल पर पालक, धनिया, मूली, सरसों के बीज एवं आवला कैंडी, अचार एवं फलों के जूस के साथ जिरेनियम, दूना व पाषाण वेद के पौधे किसानों के लिए आकर्षण का केन्द्र बन रहे हैं। पंतनगर विश्वविद्यालय एवं जिले के कृषि विभाग के सौजन्य से गन्ना, पशुपालन, उद्यान एवं खाद्यान्न के स्टालों पर जानकारियां दी जा रही हैं। अन्य कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा भी अपने-अपने क्षेत्र की फसलों की उत्पादन तकनीक किसानों को बतायी जा रही हैं।

वस्तुतः ये एवं ऐसे अन्य सरकारी संस्थाओं के स्टाल अपनी-अपनी जानकारियों से किसानों को उन्नत तकनीकें एवं विधियां देने का भरसक प्रयास कर रहे हैं, जिससे वे कम व्यय में अधिक उत्पादन एवं आय प्राप्त कर सकें।

पंतनगर विश्वविद्यालय के विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रों पर जानकारी लेते किसान।